राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों को सफल बनाने में सेवापूर्व एवं सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का योगदान

20

हेमलता दक्ष
डॉ. वन्दना कौशिक

सारांश

समाज व राष्ट्र के विकास का आधार शिक्षा होती है। और शिक्षक इस प्रणाली का प्रमुख स्तंभ है योग्य एवं प्रशिक्षित शिक्षक ही छात्रों का सर्वांगीण विकास कर सकते हैं। आधुनिक समयानुसार शिक्षण विधियां, तकनीकी एवं पाठ्यक्रम में परिवर्तन हो रहा है। जिसके लिए शिक्षकों का तकनीकी रूप से प्रशिक्षित जो आई.सी.टी.का कुशलता पूर्वक उपयोगकर सकें, का होना अत्यंत आवश्यक है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षक प्रशिक्षण का उद्देश्य ऐसे डिजिटल शिक्षकों का निर्माण करना है जो कार्यकुशल, व्यवसायिक, ज्ञानवान, तकनीकी रूप से दक्ष, संवेदनशील, नवाचार एवं शोध उन्मुख हो यह नीति शिक्षक को शिक्षा का प्रमुख स्तंभ मानती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को प्रभावी रूप से लागू किया जाए तो भारतीय शिक्षा प्रणाली एक उच्च शिक्षा प्रणाली बन जाएगी।

शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के महत्वपूर्ण संसाधनों में से एक शिक्षक ही है। एक अप्रशिक्षित शिक्षक एक प्रशिक्षित शिक्षक से कई प्रकार से भिन्न होता है। अप्रशिक्षित शिक्षक कार्य कौशल व शिक्षण कार्य में दक्ष नहीं हो सकता, जबकि एक प्रशिक्षित शिक्षक अपने विषय ज्ञान में दक्ष होने के साथ–साथ वह शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी, रोचक, अनुभवपरक तथा छात्र केंद्रित भी बनता है। और छात्रों के साथ मित्रवत एवं लोकतांत्रिक व्यवहार व्यक्त करता है। छात्रों के शिक्षण अधिगम में होने वाली कठिनाइयों को समझ कर उनका मार्गदर्शन करता है।

हेमलता दक्ष
शोधार्थी, शिक्षा विभाग
डॉ. वन्दना कौशिक
असिस्टेंट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, बैकुंठी देवी कन्या महाविद्यालय, आगरा
Publisher: Anu Books, DOI: https://doi.org/10.31995/Book.AB355-F26.Ch.20
Book: भारत में नवोन्मेषी शोधः राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020, भारतीय ज्ञान प्रणाली और तकनीकी का संगम
Plagiarism Report: 12%

प्रस्तावना

शिक्षा के बिना किसी भी राष्ट्र की कामना नहीं की जा सकती क्योंकि शिक्षा सभी राष्ट्रों के विकास की आधारशिला है। शिक्षा सामाजिक विकास, आर्थिक विकास, राजनैतिक विकास तथा एक समृद्ध राष्ट्र के विकास में सहायक है। शिक्षक इस आधारशिला का प्रमुख विकास स्तंभ है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए आवश्यक है कि शिक्षकों को नवीन शिक्षण पद्धतियों का ज्ञान तथा समुचित प्रशिक्षण प्राप्त हो ताकि समयानुसार नवाचार एवं तकनीकी का प्रयोग करने में दक्ष हो। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को ए.आई.आधारित नवीन शिक्षण पद्धतियां, कक्षा प्रबंधन, शैक्षिक प्रबंधन, समय प्रबंधन, मूल्यांकन, तकनीक एवं शैक्षिक तकनीकी, सूचना संचार प्रौद्योगिकी, आईसीटी एवं शिक्षण अधिगम में होने वाली कठिनाइयों से अवगत कराकर समस्या समाधान प्रस्तुत करते हैं।

शिक्षक किसी भी शिक्षा प्रणाली की रीढ़ होता है इसलिए शिक्षक का प्रशिक्षित होना नितांत आवश्यक है। शिक्षक प्रशिक्षण के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से शिक्षकों में शैक्षिक दक्षता, शैक्षिक कौशल, व्यवसाय कौशल, नैतिक मूल्य व आधुनिक शिक्षण पद्धतियां का विकास कर उनका उपयोग करना शिक्षकों को सिखाया जाता है इस शोध पत्र में सरकार द्वारा चलाए जा रहे शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रमों की अवधारणा, उद्देश्य, प्रकार, आवश्यकता एवं महत्व, शिक्षकों को शिक्षण प्रदान करने में होने वाली समस्याओं एवं सुधार का अध्ययन किया गया है।

सेवाकालीन प्रशिक्षण एम० बी० बुच के अनुसार – "इन्होंने इसे कार्यक्रमों की संख्या के रूप में परिभाषित किया है जिसका उद्देश्य सेवा में कार्यरत शिक्षकों और शैक्षिक कर्मियों का निरंतर व्यवसायिक विकास करना है।"

ओंग के अनुसार (ओंग 1993):– " सेवाकालीन प्रशिक्षण उन सभी शैक्षिक और व्यक्तिगत अनुभवों का योग है जो किसी व्यक्ति को उसकी सौंपी गई पेशेवर भूमिका में अधिक सक्षम और संतुष्ट बनाते हैं।"

आर०एन०टैगोर के अनुसार (शिक्षण के संदर्भ में)– "एक सच्चा शिक्षक जीवन भर विद्यार्थी बना रहता है। इसलिए सेवाकालीन प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों का सतत सीखना आवश्यक है।"

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम की अवधारणा

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम की आवश्यकता वर्तमान समय की मांग है। क्योंकि प्राचीन शिक्षण विधियां नवीन शिक्षण विधियां से काफी भिन्न है। पुरानी शिक्षण विधियां में छात्रों दबाव एवं बोझ महसूस करते हैं। किन्तु नवीन शिक्षण पद्धतियों में छात्रों को तनाव मुक्त शिक्षा प्रदान की जाती है। और छात्रों को वास्तविक जीवन के अनुभव प्रदान करके नवाचार एवं तकनीकी से जोड़ती है। जिससे छात्र सहजतापूर्ण, रोचकपूर्ण एवं मनोरंजनात्मक ढंग से अधिगम करते हैं और खेल–खेल में ज्ञानार्जन करते हैं। शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम एक ऐसी प्रक्रिया है। जिसके माध्यम से शिक्षकों को शैक्षिक कौशल, व्यावसायिक दक्षता, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी,

तकनीकी, नैतिकमूल्यों को उच्च कोटि का बनाया जाता है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य शिक्षकों को प्रभावी तथा गुणवत्तापूर्ण बनाना है। छात्रों के लिए नवीन तकनीकी द्वारा अधिगम प्रदान करना, शिक्षकों को आत्मविश्वासी, नवाचरी, कर्तव्य पूर्ण और निष्ठावान बनाना है। प्रशिक्षण द्वारा बाल मनोविज्ञान का ज्ञान प्रदान कर शिक्षकों की समझ को प्रभावी एवं उत्तरदायी बनाया जाता है। यह प्रशिक्षण शिक्षकों को कुशल बनने में अधिक सहायक है। शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम एक क्रमबद्ध योजना है जिसके द्वारा भावी एवं कार्यरत शिक्षकों में आवश्यक ज्ञानकौशल, दृष्टिकोण एवं व्यवसाय कौशल का विकास कर शिक्षकों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास किया जाता है। जिससे आधुनिक समय में एक प्रभावी शिक्षक बनाने में मदद मिलती है।

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता

इस प्रक्रिया के निम्नलिखित कारण इस प्रकार हैं–

- आधुनिकता के समय में शिक्षा को भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने हेतु।
- आधुनिक समय में शिक्षा के बदलते हुए लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु।
- आधुनिक समयानुसार पाठ्यचर्या में लगातार परिवर्तन करने हेतु।
- शिक्षण विधियों में आधुनिकता एवं नवाचार का उपयोग बढ़ाने हेतु।
- छात्रों की व्यक्तिगत भिन्नताओं को समझने हेतु।
- आधुनिक समय में सूचना,संचार तकनीक एवं आई.सी.टी के प्रयोग हेतु।
- शिक्षा प्रणाली में सुधार कर ए.आई.आधारित शिक्षण विधियां के उपयोग हेतु।
- शिक्षा में उच्च गुणवत्ता हेतु ।

शिक्षण प्रशिक्षण की कमी से शिक्षक पारंपरिक शिक्षण विधियां तक ही सीमित रह जाते हैं। जिससे वर्तमान शिक्षण अधिगम प्रक्रिया प्रभावी एवं रुचिपूर्ण न होकर रूढ़िवादी बनी रहती है। इसलिए शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम की आवश्यकता हुई।

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य

- शिक्षकों में शिक्षण कौशलों का सहजता पूर्वक विकास करना।
- विषय वस्तु में उच्च श्रेणी की समझ विकसित करना।
- शिक्षकों में कक्षा प्रबंधन की क्षमता बढ़ाकर कक्षा शिक्षण को रोचकपूर्ण विधियो एवं मनोरंजनात्मक तरीकों से छात्रों को अधिगम कराने की योग्यता विकसित करना।
- छात्रों की व्यक्तिगत भिन्नताओं को समझकर समावेशी शिक्षा प्रदान करना।
- शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण तकनीको का प्रयोग सिखाकर शिक्षण अधिगम को रोचकपूर्ण बनाकर छात्रों के समक्ष प्रस्तुत करना। तथा छात्रों में भी डिजिटल साक्षरता जगाकर ऑनलाइन शिक्षण और ए.आई. संसाधनों के प्रयोग हेतु कौशल विकसित करना।
- शिक्षकों में विषय ज्ञान की गहनता विकसित करना।
- शिक्षकों को प्रभावी एवं ऑनलाइन शिक्षण विधियों के उपयोग से अवगत कराना।

- शिक्षकों में नैतिक मूल्यों, व्यवसायिक कौशलों एवं ए.आई. आधारित शिक्षण विधियों का विकास करना।
- आधुनिक शिक्षकों को आई.सी.टी का प्रयोग सीखना।
- आधुनिक शिक्षकों में शैक्षिक प्रबंधन, मूल्यांकन एवं कौशलों का विकास करना।
- शिक्षकों में विषय संबंधी दक्षता, रचनात्मक एवं नवाचार को प्रोत्साहित करना।

सरकार द्वारा चलाए जा रहे सेवापूर्व शिक्षक प्रशिक्षण एवं सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

1) सेवापूर्व शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम– यह प्रशिक्षण शिक्षक बनने से पहले दिया जाता है, जिसके अंतर्गत B.Ed, D.ELEd, M.Ed, N.T.T जैसे पाठ्यक्रम आते हैं। इसका लक्ष्य भावी शिक्षकों को शिक्षण हेतु तैयार करना है।

2) सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम – यह प्रशिक्षण कार्यरत शिक्षकों को दिया जाता है ताकि उन्हें नवीन शिक्षण तकनीकी, पाठ्यक्रम, शैक्षिक नवाचारों से अवगत कराया जाए जिससे शिक्षकों को अधिगम में होने वाली कठिनाइयों को दूर कर सकें। इसके लिए शिक्षकों को कुछ कार्यशालाएं, सेमिनार तथा वर्कशॉप कराई जाती हैं। आज उन्नत रूप से वर्चुअल कक्षा, ऑनलाइन शिक्षण इन्ही कार्यशालाओं के द्वारा संभव हो सके हैं।

निष्ठा (NISHTHA)- National Initiative For School Heads And Teachers, Holistic Advancement : निष्ठा एक राष्ट्रीय स्तर का शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम है,जो कि भारत सरकार के केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय जो अब शिक्षा मंत्रालय हैं के द्वारा 21 अगस्त 2019 को शुरू किया गया था यह प्राथमिक, उच्च प्राथमिक स्तर के शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापकों में शिक्षण की नई–नई विधियों का विकास कर अधिगम को रोचक पूर्ण तथा प्रभावी बनाता है। निष्ठा का प्रशिक्षण शिक्षकों को दीक्षा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन तथा ऑफलाइन कराया जा रहा है।

- **निपुण भारत–** एक राष्ट्रीय मिशन है जिसके अंतर्गत एफ. एल.एन. का लक्ष्य शामिल है। निपुण भारत का उद्देश्य यह है– कक्षा 1 से 3 तक के छात्रों को बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान एफ.एल.एन. में दक्ष बनाना अर्थात निपुण करना है!
- **FLN- (Foundational Literacy & Numeracy) – FLN-** कक्षा 1 से 3 तक के छात्रों के लिए एक शैक्षिक लक्ष्य है। जिसका उद्देश्य बच्चों में पढ़ना **(Literacy),** लिखना, समझना एवं बुनियादी गणित **(Numeracy)** विकसित करना है।

सरकार द्वारा चलाए जा रहे सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में से कुछ प्रशिक्षण कार्यक्रम इस प्रकार हैं दीक्षा पोर्टल द्वारा निष्ठा टीचर्स ट्रेनिंग प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर के शिक्षकों के लिए है।

3) ऑनलाइन एवं मिश्रित प्रशिक्षण– सेमिनार MOOCS, SWAYAM, आदि के उपयोग के लिए शिक्षकों को प्रेरित करना। आधुनिक पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या, शिक्षा नीति एवं शिक्षण विधियां से अवगत कराना। आधुनिक पाठ्यक्रमानुसार ए.आई. आधारित शिक्षण के लिए शिक्षकों को तैयार करना।

4) अभिविन्यास प्रशिक्षण (ओरिएंटेशन प्रोग्राम)– यह कार्यक्रम शिक्षकों को विद्यालय व्यवस्था नियमों एवं कार्य प्रणाली से अवगत कराने हेतु दिया जाता है।

पेशेवर अध्यापक की पहचान (हबर्ड, 2019) के अनुसार – पेशेवर अध्यापकों में छात्रवृत्ति विकसित करने और सीखने के लिए उच्चकोटि की गुणवत्ता वाले पेशेवर विकास की जरूरत होती है। अध्यापकों की पेशेवर पहचान, उच्च गुणवत्ता वाले विकास, टिकाऊ नेटवर्क, और उनके पेशेवर पहचान की मान्यता से मिलती है।

(लॉवेरी, 2019) के अनुसार –व्यक्तिगत विकास उन्मुख शैली मार्गदर्शक के कल्याण के लिए लाभकारी है क्योंकि यह आत्मविश्वास और आशा से जुडी है।

(कुंह्न एट अल, 2022) के अनुसार –अध्यापकों के मार्गदर्शन में भावात्मक समर्थन तथा मनोवैज्ञानिक तथ्यों की पूर्ति आवश्यक है। मार्गदर्शक का कल्याण और मार्गदर्शन की गुणवत्ता विद्यालय के वातावरण पर टिकी है जो भविष्य के अध्यापकों को प्रेरित करती है।

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का महत्व–

(1) शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम की आवश्यकता शिक्षा की गुणवत्ता को उच्च कोटि की बनाने तथा नई शिक्षा नीति 2020 को सफल बनाने हेतु अति महत्वपूर्ण है।

(2) ए. आई. के युग में शिक्षकों के आत्मसम्मान, आत्मविश्वास एवं दक्षता बढ़ाने हेतु।

(3) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार शिक्षक प्रशिक्षण की उपयोगिता एवं अधिगम में छात्रों की रुचि जागृत करके, छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने हेतु।

(4) यह प्रक्रिया छात्रों मे सर्वांगीण विकास तथा कौशल विकास करने में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

(5) यह शिक्षक प्रशिक्षण प्रणाली शिक्षकों एवं छात्रों में नवीनता एवं रचनात्मक को बढ़ावा देती है।

(6) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को पूर्ण करने में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम अहम भूमिका अदा करता है। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में सहायक है। प्रशिक्षित शिक्षक छात्रों में रुचि उत्पन्न कर अधिगम प्रक्रिया को सरल एवं प्रभावी बनाता है। जिससे विद्यालय वातावरण का सकारात्मक होता है।

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम मे होने वाली समस्याएं

- शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में व्यावहारिकता एवं जागरूकता की कमी।
- योग्य एवं प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी।

- प्रशिक्षित संस्थाओं एवं संसाधनों का अभाव।
- आधुनिक समय में वित्त एवं समय सीमा का अभाव।
- नवीन तकनीकी संसाधनों की कमी।
- प्रशिक्षण और कक्षा शिक्षण के अंतर को न समझ पाना।
- प्रशिक्षण कार्यक्रमों के सतत मूल्यांकन की कमी।
- प्रशिक्षित कार्यक्रमों की औपचारिकता।
- शिक्षकों की प्रशिक्षण के प्रति उदासीनता।
- आधुनिक समय में ए.आई. आधारित शिक्षण विधियां का ज्ञान न होना।

शिक्षक प्रशिक्षण में शैक्षिक तकनीकी अधिगम का प्रमुख अंग बन गई है जैसे स्मार्ट क्लासरूम, ऑनलाइन लर्निंग, ऑनलाइन ट्रेनिंग, ई–लर्निंग एवं डिजिटल लर्निंग मटेरियल ने प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी बना दिया है। जिससे शिक्षक नवीन तकनीक के प्रयोग में दक्षता की गहरी खाई को खत्म करता है।

शिक्षक प्रशिक्षण की भविष्य में उपयोगिता

- शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वारा प्रशिक्षण को पूर्ण रूप से व्यावहारिक बनाया जाए और शिक्षकों के व्यवहार में लाया जाए।
- शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम में नवाचारों एवं आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी को सम्मिलित किया जाए।
- शिक्षक प्रशिक्षण द्वारा लगातार सेवाकालीन प्रशिक्षण शिक्षकों के लिए अनिवार्य किया जाए।
- आधुनिक समय में योग्य एवं प्रशिक्षित शिक्षकों की ही नियुक्ति की जाए।
- प्रशिक्षण संस्थानों को नियमित रेगुलेट एवं अपग्रेड किया जाए।
- शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सतत मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार शिक्षक प्रशिक्षण में वर्चुअल क्लासरूम, फ्लिप्ड लर्निंग, ए.आई.के प्रयोग एवं पपेट मेथर्ड का उपयोग शिक्षकों को सिखाया जाए जिससे अधिगम प्रभावी और सरल बना सकें।

शिक्षक प्रशिक्षण में प्रयुक्त होने वाली शिक्षण विधियां

शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम में निम्नलिखित शिक्षण विधियां का प्रयोग किया जाता है–

1) प्राचीन विधियां– व्याख्यान विधि, चर्चा विधि, मौखिक विधि एवं मौन विधि।

2) आधुनिक विधियाँ– परियोजना विधि, सूक्ष्म शिक्षण, प्रायोगिक विधि, कार्यशाला एवं संगोष्ठी इत्यादि।

3) गेमीफिकेशन के माध्यम से शिक्षा (यिल्डिज, टॉपकू और कायमाकसी 2021)) ने बताया कि गेमीफिकेशन शिक्षा में विद्यार्थियों की रुचि और रचनात्मक कौशलों को उच्च कोटि का बनता है। गेमीफिकेशन पाठ्यक्रम को अधिक प्रतिस्पर्धी एवं मनोरंजनात्मक बनता है।

उपसंहार

अतः शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम जैसे निष्ठा, निपुण भारत एवं फ.एल.एन इत्यादि शिक्षा प्रणाली को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करते हैं। एक प्रशिक्षित शिक्षक समाज एवं राष्ट्र को सही दिशा प्रदान कर, उन्हें समृद्धशाली बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देता है और शिक्षक प्रशिक्षण को आधुनिक समयानुसार व्यावहारिक एवं तकनीकी पूर्ण बनाया जाए, जिससे शिक्षक राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सके।

विद्यालय एवं कॉलेज के शिक्षकों के लिए सेवाकालीन, व्यवसायिक विकास का प्रशिक्षण तथा ऑनलाइन प्रशिक्षण के लिए स्वयं, स्वयं प्रभा व दीक्षा पोर्टल जैसे प्रौद्योगिकी ऑनलाइन व ऑफलाइन प्लेटफार्म का उपयोग किया जा रहा है ताकि मानकीकृत प्रशिक्षण कार्यक्रम को कम समय सीमा के अन्दर शिक्षकों को अधिक सिखाया जा सके।

विद्यालय के शिक्षकों के मार्गदर्शन (मेंटरिंग) के लिए एक राष्ट्रीय मिशन की स्थापना की जा रही है। जिसमें अधिक संख्या में वरिष्ठ सेवानिवृत संकाय के सदस्यों को जोड़ा जा रहा है। जो शिक्षकों के लिए लघु एवं दीर्घकालिक परामर्श एवं व्यवसायिक सहायता प्रदान करने के लिए तत्पर रहते हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षक प्रशिक्षण का उद्देश्य ऐसे शिक्षकों का निर्माण करना है। जो कि ए. आई. के युग में ज्ञानवान, तकनीकी रूप से दक्ष एवं संवेदनशील, नवाचारी और शोध उन्मुख हो। यह शिक्षा नीति शिक्षक को शिक्षा मे परिवर्तन का प्रमुख केंद्र मानती है। यदि इस प्रावधान को प्रभावी रूप से लागू किया जाए तो भारतीय शिक्षा प्रणाली में गुणवत्ता, समावेश, ए. आई. आधारित शिक्षण विधियां एवं नवाचार की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति संभव है।

संदर्भ

1. भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020।
2. www.education.gov.in
3. Wikipedia
4. https://en.wikipedia.org.
5. Basic Education Up
6. htt://basiceducation.up.gov.in
7. शिक्षक शिक्षा– सिद्धांत एवं व्यवहार– NCERT
8. शिक्षक शिक्षा NCTE
9. नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020
10. सिन्हा अरुण शैक्षिक मनोविज्ञान
11. कोठारी आयोग
12. शर्मा.आर.ए – शिक्षा के सिद्धांत
13. पांडे रामशकल – शिक्षक शिक्षा